गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

संस्कृत

तृतीय सेमेस्टर

अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC-I

(SAN6561T)

ज्योतिष के आधार भूत सिद्धांत

इकाई: I ज्योतिष की उत्पत्ति, विकास एवं शाखाएँ

खण्ड 'अ' ज्योतिष की उत्पत्ति और विकास

खण्ड 'ब' निम्नलिखित शाखाओं का सामान्य परिचय

ज्योतिष : सिद्धांत, संहिता, होरा, ताजिका, प्रश्न, वास्तुशास्त्र और मुहूर्तशास्त्र।

इकाई: II ज्योतिष चंद्रिका: संज्ञा-प्रकरणम्

खण्ड 'अ' ज्योतिचंद्रिका-संज्ञा-प्रकरणम्, श्लोक :1-29

खण्ड 'ब' ज्योतिचंद्रिका-संज्ञा-प्रकरणम, श्लोक: 30- 65

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

इकाई: III ज्योतिष चंद्रिका: संज्ञा-प्रकरणम्

खण्ड 'अ' ज्योतिचंद्रिका-संज्ञा-प्रकरणम्, श्लोक : 66-90

खण्ड 'ब' ज्योतिचंद्रिका-संज्ञा-प्रकरणम, श्लोक : 91-115

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. रेवती रमण शर्मा, ज्योतिष चंद्रिका।

2. एहुतानंद झा (ट्रांस.), बृहदसंहिता, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी।

3. शंकर बालकृष्ण दीक्षित एवं शिव नाथ झारखंडी (ट्रांस.), भारतीय ज्योतिष, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

4. निंचीचंद्र शास्त्री, भारतीय ज्योतिष, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी।

5. एम. रामकृष्ण भट्ट (ट्रांस.), बृहत्संहिता, मोतीलाल बनारसीदास। खंड-1 एवं 2, दिल्ली।

6. देवी प्रसाद त्रिपाठी एवं सौरव राव, दिल्ली।

7. देवी प्रसाद त्रिपाठी, भवु नकोश, दिल्ली।

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

संस्कृत

चतुर्थ सेमेस्टर

अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC-II

(SAN6562T)

भारतीय वास्तु शिल्प

इकाई: I टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

खण्ड 'अ' टोडरमल का वास्तुसौख्यम् - अध्याय - 1 वास्तु प्रयोजन, वास्तुस्वरूप। (संस्करण-4-13)

खण्ड 'ब' टोडरमल का वास्तुसौख्यम् - अध्याय - 2 भूमि परिक्षणम्, दीक्षाधनम्, निवासहेतु स्थाननिर्वाणम्। (संस्करण-14-22)

इकाई: II टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

खण्ड 'अ' टोडरमल का वास्तुसौख्यम् - अध्याय - 3 गृह पर्यावरणम्: वृक्षारोपण, शल्य शोधनम्। (श्लोक 31- 49,74-82)

खण्ड 'ब' टोडरमल का वास्तुसौख्यम् - अध्याय - 4 वर्गपरिषोधनं ,वास्तुक्रम, ग्रहवस्तु, शीलन्यासम. (श्लोक 83-102,107-112)

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

इकाई: III टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

खण्ड 'अ' टोडरमल का वास्तुसौख्यम् - अध्याय - 6 पंचविधानि ग हानि (पांच प्रकार के घर), शाला-अलिंदा प्रमाणम् (श्लोक-171-194), वीथिका प्रमाणम् (195-196)

टोडरमल का वास्तुसौख्यम् - अध्याय - 7 द्वारज्ञानम्, स्तम्भ-प्रमाणम्, पंच चतुक् शालानि ग हानि- सर्वतोभद्रम्, नन्द्यावर्तम्, वर्धमानम्, स्वस्तिकम्, रूचकम् (श्लोक 203-217)

खण्ड 'ब' टोडरमल का वास्तुसौख्यम् -अध्याय -8 एकसती-पाद-वास्तुचक्रम् (287-302), मर्मस्थानि (305-307)।

टोडरमल का वास्तुसौख्यम् -अध्याय -9 वसादिसानिरूपणम्, द्वारफलम्, द्वार्वेधाफलम् (322-335, 359-369)।

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. शुकदेव चतुर्वेदी, भारतीय वास्तु शास्त्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
2. विनोद शास्त्री एवं शीताराम शर्मा, वास्तुप्रबोधिनी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. राममनोहर द्विवेदी एवं डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, वृहदवस्तुमाँ, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012।
4. देवीप्रसाद त्रिपाठी, वास्तुसार, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015।
5. जीवनाग, वास्तुरत्नावली।

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

संस्कृत

पंचम सेमेस्टर

अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC-III

(SAN7563T)

संस्कृत के लिए कंप्यूटर जागरूकता

इकाई: I बुनियादी कंप्यूटर जागरूकता

खण्ड 'अ' डिज़ाइन, आर्किटेक्चर: ऑपरेटिंग सिस्टम

खण्ड 'ब' एमएस ऑफिस टूल्स (वर्ड, पावर पॉइंट, एक्सेल आदि)

इंटरनेट, वेब खोज का उपयोग करना (ई-पाठ/ई-पुस्तक खोजना)। संस्कृत के लिए रोमन और देवनागरी लिपियों में), ईमेल आदि।

इकाई: II संस्कृत पाठ के संरक्षण और डिजिटलीकरण के लिए यूनिकोड में टाइपिंग

खण्ड 'अ' कैरेक्टर एन्कोडिंग, यूनिकोड, ASCII, UTF-8, UTF-16

खण्ड 'ब' विभिन्न सॉफ्टवेयरों के माध्यम से यूनिकोड में टाइपिंग

संस्कृत पाठ डिजिटलीकरण/संरक्षण/भंडारण

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

इकाई: III   वेब प्रकाशन

खण्ड 'अ' सामान्य जानकारी - HTML, जावा स्क्रिप्ट और CSS

खण्ड 'ब' सामान्य जानकारी - डेटाबेस

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. टॉम हेंडरसन (17 अप्रैल, 2014)। "प्राचीन कंप्यूटर कैरेक्टर कोड टेबल्स - और वे अभी भी प्रासंगिक क्यों हैं"। चतुर भालू. 29 अप्रैल 2014 को लिया गया.

2. यूनिकोड तकनीकी रिपोर्ट #17: यूनिकोड कैरेक्टर एन्कोडिंग मॉडल"। 2008-11-11। 2009-08-08 को पुनःप्राप्त। यहां: http://www.unicode.org/reports/tr17/

3. कांस्टेबल, पीटर (2001-06-13)। "कैरेक्टर सेट एन्कोडिंग मूल बातें"। लेखन प्रणाली लागू करना: एक परिचय। एसआईएल इंटरनेशनल। 2010-03-19 को पुनःप्राप्त.

4. देवनागरी यूनिकोड चार्ट: http://unicode.org/charts/PDF/U0900.pdf

5. यूनिकोड कंसोर्टियम: http://unicode.org/

6. W3Schools ऑनलाइन वेब ट्यूटोरियल: http://www.w3schools.com/

7. माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2013 ऑनलाइन ट्यूटोरियल: https://www.microsoft.com/enable/training/office2013/

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

संस्कृत

षष्ट सेमेस्टर

अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC-IV

(SAN7564T)

भारतीय रंगमंच

इकाई: I भारतीय रंगमंच की परंपरा और इतिहास

खण्ड 'अ' विभिन्न युगों में अवस्था की उत्पत्ति और विकास: प्रागैतिहासिक, वैदिक युग।

खण्ड 'ब' महाकाव्य-पौराणिक युग, दरबार थिएटर, मंदिर थिएटर, खुला रंगमंच, आधुनिक रंगमंच, लोक रंगमंच, व्यावसायिक रंगमंच, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय रंगमंच।

इकाई: II रंगमंच: प्रकार और निर्माण

खण्ड 'अ' रंगमंच : प्रकार और निर्माण

इकाई: III अभिनय: आंगिका, वाचिका, सात्विक और आहार्य

खण्ड 'अ' अभिनय: आंगिका, वाचिका, सात्विक और आहार्य

खण्ड 'ब' नाटक: विषय-वस्तु (वास्तु), अभिनेता (नेता) और रस

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. राधावल्लभ त्रिपाठी (सम्पा. एवं संक.), संक्षिप्तनाट्यशास्त्र हिन्दी भाषानुवादसहित, वाणी प्रकाशन दिल्ली 2008

2. राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाट्य स्वरूप एवं परम्परा, संस्कृत परिषद्, सागर मध्य प्रदेश 1988।

3. हजारी प्रसाद द्विवेदी (सं.), नाटशास्त्र की भारतीय परम्परा एवं दशरूपक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1963 |

4. सीताराम झा, नाटक और रंगमंच, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना 1982 ।

5. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री (सम्पा.), नाट्यशास्त्र (1-4 भाग), चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1984

6. राधावल्लभ त्रिपाठी, नाट्यशास्त्र विश्वकोश (1-4 भाग), प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली 1999 ।

7. राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाटशास्त्र की परम्परा और विश्व रंगमंच, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली ।

8. व्रजमोहन चतुर्वेदी, नाट्यशास्त्रम्, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2003 1

9. केशवरामुसलगांवकर, संस्कृत नाट्य मीमांसा, परिमल प्रकाशन, दिल्ली ।

10. शिवशरण शर्मा, आचार्य भरत, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।

11. रामलखन शुक्ल, संस्कृत नाट्य कला, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 1970

12. गोविन्द चन्द्र राय, नाट्यशास्त्र में रंगशालाओं के रूप, काशी, 1958

13. भानुशंकर मेहता, भरत नाट्यशास्त्र तथा आधुनिक प्रासंगिकता, वाराणसी।

14. वाचस्पति मेहता, भारतीय नाट्य परम्परा एवं अभिनयदर्पण, इलाहाबाद, 1967 1

15. लक्ष्मी नारायण लाल, रंगमंच और नाटक की भूमिका, दिल्ली, 1965

16. लक्ष्मी नारायण गर्ग, भारत के लोकनाट्य, हाथरस संगीत कार्यालय, 1961 |

17. सीताराम चतुर्वेदी, भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच, हिन्दी समिति, लखनऊ 1964 |

18. जगदीशचन्द्र माथुर, परम्पराशील नाट्य, विहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1961 19. C. B. Gupta, Indian Theatre, Varanasi, 1954.

20. R.K. Yajnick, Indian Theatre, London, 1933. 21. Tarla Mehta, Sanskrit Play Production in Ancient India, MLBD, Delhi, 1999.

22. Allardyce Nicoll, The Theatre and Dramatic Theory, London, 1962

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)